बुद्धि; अवधारणा, परिभाषा और प्रकार

प्राचीन काल से ही बुद्धि ज्ञानात्मक क्रियाओं में विषेश रूचि का विषय रहा है। बुद्धि के कारण ही मानव अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ माना जाता है। प्राय: यह कहा जाता है कि 'बुद्धिर्यस्य बलंतस्य' अर्थात् जिसमें बुद्धि है वही बलवान है। मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी बुद्धि एक चर्चा का विषय रहा है। व्यक्तियों को बुद्धि के आधार पर अलग-अलग वर्गों में बांटा जाता है। कुछ व्यक्ति बुद्धिमान कहलाते हैं, कुछ सामान्य बुद्धि के, कुछ मन्द बुद्धि के तो कुछ जड़ बुद्धि के कहलाते हैं। परन्तु बुद्धि के स्वरूप को समझना बड़ा कठिन है। बुद्धि के स्वरूप पर प्राचीन काल से ही विभ्भिन्न मत चले आ रहे हैं तथा आज भी मनोवैज्ञानिकों तथा शिक्षाविदों के लिए भी बुद्धि वाद-विवाद का विषय बना हुआ है। 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध से बुद्धि के स्वरूप को समझने हेतु मनोवैज्ञानिकों ने प्रयास प्रारम्भ किए परन्तु वे भी इसमें सर्वसम्मत परिभाषा न दे सके। वर्तमान में भी बुद्धि के स्वरूप के सम्बंध में मनोवैज्ञानिकों के विचारों में असमानता है।

बुद्धि एक प्रकार की सामान्य योग्यता है जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों को समझता है। और उनके अनुसार अपने व्यवहार में यथोचित परिवर्तन करता है। बुद्धि के सहारे वह विभिन्न समस्याओं को सुलझा कर व्यवहारिक जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

बुद्धि की परिभाषाएं

बर्ट के अनुसार बुद्धि की परिभाषा-

"बुद्धि सापेक्ष रूप में नवीन परिस्थितियों में अभियोजक करने की जन्मजात योग्यता है"

गाल्टन के अनुसार बुद्धि की परिभाषा-

“बुद्धि पहचानने तथा सीखने की शक्ति है “

बकिंघम के अनुसार बुद्धि की परिभाषा-

“सीखने की शक्ति बुद्धि है”

क्रूज के अनुसार-

“बुद्धि नई तथा भिन्न परिस्थितियों में समुचित रूप से समायोजन करने की योग्यता है “

टर्मन के अनुसार-

“अमूर्त वस्तुओं के विषय में सोचने की योग्यता बुद्धि है”

वुडवर्थ के अनुसार-

” बुद्धि कार्य करने की एक विधि है।”

टरमैन के अनुसार-

“बुद्धि अमूर्त चिंतन की क्षमता है”

बुद्धि की विशेषताएं

- बुद्धि जन्मजात प्राकृतिक शक्ति है।
- प्रत्येक व्यक्ति की बुद्धि दूसरे से भिन्न होती है।
- यह व्यक्ति के सीखने और समायोजन स्थापित करने में सहायता करती है।
- यह व्यक्ति को कठिन समस्याओं को हल करने में सहायता प्रदान करती है।
- वंश का बुद्धि पर प्रभाव पड़ता है।

- वातावरण प्रशिक्षण और शिक्षा भी बुद्धि को प्रभावित करती है।
- लिंग की भिन्नता के कारण बुद्धि में भिन्नता नहीं आती।

बुद्धि के प्रकार (Types of Intelligence)

थार्नडाइक ने बुद्धि Buddhi, (Intelligence) को तीन प्रकार का बताया है:

मूर्त बुद्धि या यांत्रिक बुद्धि

यह बुद्धि मशीनों एवं यंत्रों से अनुकूलन करने में सहायता देती है. इस बुद्धि के लोग अच्छे कारीगर, इंजीनियर, व्यापारी आदि बनते हैं.

अमूर्त बुद्धि-

इस बुद्धि की आवश्यकता लिखने, पढ़ने, समझने, तार्किक चिंतन करने में पड़ती है. इस बुद्धि वाला व्यक्ति अच्छा डॉक्टर, लेखक, चित्रकार, मनोवैज्ञानिक पत्रकार, स्तंभकार इत्यादि बनता है.

सामाजिक बुद्धि- इस बुद्धि से तात्पर्य व्यक्तियों को समझने और व्यवहार करने की योग्यता से है. यह समाज समायोजित करने की बुद्धि कहलाती है. किस बुद्धि वाला व्यक्ति अच्छा राजनेता, समाज सुधारक, समाजसेवी इत्यादि बनता है।